2025 International Year of Cooperatives

Cooperatives Build a Better World

बढ़ते कदम

पैक्स के सफल नवोन्मेष की कहानियाँ

NABARD

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

मध्य प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय

विजन

ग्रामीण समृद्धि के लिए राष्ट्रीय विकास बैंक

मिशन

सहभागिता, संधारणीयता और समानता पर आधारित वित्तीय और गैर-वित्तीय सहयोगों, नवोन्मषों, प्रौद्योगिकी और संस्थागत विकास के माध्यम से समृद्धि लाने के लिए कृषि और ग्रामीण विकास का संवर्धन

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
मध्य प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय,भोपाल

प्रस्तावना

ग्रामीण समृद्धि एवं कृषि उन्नयन की यात्रा में प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (पैक्स) जमीनी स्तर पर सेवा प्रदान करने वाली प्रमुख संस्था के रूप में उभरी हैं। 4536 पैक्स के नेटवर्क के साथ मध्य प्रदेश एक सुदृढ़ सहकारी ढांचे के प्रमाण के रूप में मजबूती के साथ खड़ा है जो हमारे कृषक समाज की बदलती आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए निरंतर विकसित और अनुकूलित हो रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा समर्थित 'सहकार से समृद्धि' (सहकारिता के माध्यम से समृद्धि) के दृष्टिकोण को एक समर्पित सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के माध्यम से अभूतपूर्व समर्थन मिला है। यह ऐतिहासिक कदम सहकारी आंदोलन को मजबूत करने और ग्रामीण अर्थशास्त्र को बदलने में इसकी क्षमता को पहचानने के लिए हमारे देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, मध्य प्रदेश में सभी पैक्स को व्यापक राष्ट्रीय पहल के तहत डिजिटल किया जा रहा है। यह योजना भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है और नाबार्ड द्वारा कार्यान्वित की जाती है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में लगभग 67,000 पैक्स को कम्प्यूटरीकृत करना है। इस परिवर्तन में ईआरपी आधारित सामान्य लेखा सॉफ्टवेयर का कार्यान्वयन और बैंकिंग प्रणाली के साथ इसका सीधा एकीकरण शामिल है, जिससे उनके संचालन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होती है। पैक्स में डिजिटल क्रांति मैनुअल प्रक्रियाओं से प्रस्थान का प्रतीक है, जो ग्रामीण वित्तीय सेवाओं में तकनीकी प्रगति के युग की शुरुआत करती है।

नए मॉडल उपनियमों को अपनाने से पारंपरिक ऋण सुविधाओं से परे पैक्स सेवाओं के क्षितिज का विस्तार हुआ है। आज, हमारे पैक्स 25 से अधिक विविध सेवाओं की पेशकश करने वाले बहु-सेवा केंद्रों के रूप में काम करते हैं - डेयरी और मत्स्य पालन से लेकर जन औषधि केंद्रों और कॉमन सर्विस सेंटरों के संचालन तक। यह विविधीकरण न केवल पैक्स की उपयोगिता को बढ़ाता है बल्कि उनकी व्यवहार्यता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त आय स्रोत भी बनाता है।

यह पुस्तिका मध्य प्रदेश में पैक्स द्वारा की गई विभिन्न पहलों को प्रदर्शित करती है, जिसमें ग्रामीण विकास और कृषि उन्नति में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, ये पहल सहकारी आंदोलन को मजबूत करना जारी रखेंगी, जिससे यह ग्रामीण समृद्धि के बड़े लक्ष्य में योगदान करते हुए स्थानीय जरूरतों के प्रति अधिक उत्तरदायी हो जाएगा। इन पृष्ठों के माध्यम से, हम आपको सहकारी समितियों के विकसित परिदृश्य और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

मुझे विश्वास है कि मध्य प्रदेश में पैक्स ग्रामीण आबादी को वन स्टॉप सॉल्यूशन प्रदान करके 'विकसित भारत@2047' के सपने को साकार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएँ सहित

(सी. सरस्वती)
मुख्य महाप्रबंधक,
नाबार्ड म.प्र. क्षेत्रीय कार्यालय

अनुक्रमणिका

1.	प्रधान मंत्री अन्न भंडारण का साक्षी बना PACS	05
2.	जनजाति में जन जन तक पहुँच रही औषधि PACS के माध्यम से	06
3.	Drone से किसान की सेवा कर रहा PACS	07
3.	PACS का सहकारी बाज़ार	08
4.	PACS के सेवा केंद्र का साथ, हर सुविधा आपके हाथ	09
5.	PACS के जन औषधि केंद्र का नारा, स्वस्थ किसान, स्वस्थ गाँव हमारा	10
6.	ई-सेवाओं का केंद्र बना PACS	11
7.	खरगोन की जनता का साथी बना PACS	12
8.	जनता को उपलब्ध करा रहा दुकाने PACS	13
9.	PACS के गोदाम से किसान की तरक्की, फसल सुरक्षा पक्की	14
10.	PACS की सहकारिता,जन औषधि की विश्वसनीयता, गाँव की प्राथमिकता	15
11.	PACS के गोदाम की सुविधा फसल सुरक्षा की प्रतिज्ञा	16
12.	PACS के जन औषधि केंद्र की पहचान, सस्ती दवा का सम्मान	17
13.	PACS का CSC का नारा, ई- सेवाओं का केंद्र हमारा	18
14.	PACS के माध्यम से जन औषधि की राह, स्वस्थ गाँव की चाह	19
15.	PACS का व्यवसाय विस्तार, गाँव की उन्नति का आधार	20
16.	PACS के द्वार पर जन औषधि का साथ, गुणवत्ता और किफायत हमारे हाथ	21
17.	PACS और FPO का संग किसान का सुदृणीकरण	22
18.	विविधता का संचार PACS का आधार	23
19.	स्वस्थ धरा, खेत हरा	24
20.	PACS का जल संकल्प हर घर तक पहुंचे जल का स्वप्न	25

प्रधान मंत्री अन्न भंडारण का साक्षी बना PACS

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	परसवाड़ा पैक्स, जिला बालाघाट
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	• ऑडिट वर्गीकरण: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए "सी" • कुल परिसंपत्ति: ₹957.67 लाख • केसीसी ऋण : ₹393.30 लाख • कुल जमा राशि : ₹102.37 लाख • सकल एनपीए (%) : 12.34%% • सदस्यता: 2219. • कवर किए गए गाँव: 33
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	पैक्स के पास कॉमन सर्विस सेंटर, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) आउटलेट और जन औषधि केंद्र (जल्द ही खुल रहा है) है। पैक्स को IFCCO द्वारा बैटरी चालित थ्री व्हीलर और बैटरी चालित ड्रोन प्रदान किया गया है। पैक्स ने "सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना" के लिए पायलट परियोजना का कार्यान्वयन किया है। इसके तहत पैक्स को 500 मीट्रिक टन का भंडारगृह, अधिक वजन तौलने वाली मशीन (weigh bridge), प्राथमिक प्रसंस्करण सुविधा (धान ग्रेडर/सॉर्टर) और कृषि केंद्र प्रदान किया गया है।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	• सीमित प्रौद्योगिकी आधारभूत संरचना के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक भंडारण सुविधाओं की स्थापना। • आधारभूत संरचना का प्रबंधन और रखरख
परिणाम/प्रभाव	पैक्स में भंडारण आधारभूत संरचना/प्राथमिक प्रसंस्करण आधारभूत संरचना का सृजन, अपने सदस्यों को भिन्न-भिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करना, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का अभिसरण।

जनजाति में जन जन तक पहुँच रही औषधि PACS के माध्यम से

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित हर्रई, छिंदवाड़ा
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	वर्ष 2023-24 के दौरान पैक्स ने ₹19.36 लाख का लाभ अर्जित किया है। उधारियाँ: ₹ 211.52 लाख कुल जमाराशि: ₹35.50 लाख अन्य गतिविधियों (सार्वजनिक वितरण प्रणाली, खरीद, जन औषधि केन्द्र आदि) से प्राप्त राजस्व: सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) : ₹14.53 लाख (वित्त वर्ष 23-24 में) खरीद: ₹ 4.53 लाख (वित्त वर्ष 23-24 में) जन औषधि केंद्र – 05 दिसंबर 2024 को इसकी शुरुआत हुई और अब तक ₹18432/- का लाभ अर्जित किया गया है। कुल बिक्री ₹ 92159/- है।
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	पैक्स के पास कॉमन सर्विस सेंटर, सार्वजनिक वितरण प्रणाली केंद्र और जन औषधि केंद्र है। जन औषधि केंद्र बाजार में ऐसे स्थान पर खोला गया है जहां जनता की आवक अधिक होती है। मात्र एक महीने के भीतर यह ₹92159/- का कारोबार करने में सक्षम हो गया जिसमें से ₹18432/- लाभ अर्जित किया है। रोजाना करीब 30-50 लोगों की आवक दुकान पर होती हैं। इनके पास कुल 8000 प्रकार की जेनेरिक दवाएं उपलब्ध हैं और इन दवाइयों की सूची ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी के साथ भी साझा की गई है ताकि डॉक्टर, विशेष रूप से सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर मरीजों को जेनेरिक दवाएं प्रेसक्राइब करें और स्थानीय लोगों को ये दवाएं किफ़ायती मूल्य पर प्राप्त हो सके।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	प्रारम्भ में लोगों की औषधि केंद्र में कम आवक। मांग-आपूर्ति में अंतर।
परिणाम/प्रभाव	ग्राहकों को सस्ती दरों पर जेनेरिक दवाएं मिल रही हैं जिससे वे स्वास्थ्य सेवा पर होने वाले खर्च को बचा पा रहे हैं। उदाहरण के लिए जन औषधि केंद्र में पैंटोप्राजोल (pantoprazole) के 1 पैकेट की कीमत ₹18/-है, जबकि ब्रांडेड रूप में इसकी कीमत ₹120/- है। इसी प्रकार कीटाणुनाशक की कीमत ₹20/- है, जबकि ब्रांडेड रूप में इसकी कीमत ₹50/- है।

Drone से किसान की सेवा कर रहा PACS

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	बी-पैक्स (B-PACS) नाहरगढ़, तहसील-सीतामऊ, जिला मंदसौर
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	कुल परिसंपत्ति: ₹322.24 लाख ऋण एवं अग्रिम अल्पावधि ऋण (ST Loan): ₹ 1220.91 लाख मध्यावधि ऋण (MT Loan): ₹ 57.69 लाख दीर्घावधि ऋण (LT Loan): ₹ 10.29 लाख • कुल देयताएं: ₹65.89 लाख • उधारियाँ: ₹1553.26 लाख • कुल जमाराशि: ₹53.35 लाख • अन्य गतिविधियों (जैसे पीडीएस, खरीद, जन औषधि केंद्र) से राजस्व: ₹16.83 लाख • सकल एनपीए (%): 11.64% • सदस्यों के लिए जीवन बीमा अथवा ऐसी कोई अन्य सुविधा: पीएमजेजेबीवाई (PMJJBY)
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	**ड्रोन सेवाएँ:** किसान ड्रोन के माध्यम से खेतों में कीटनाशकों और नैनो उर्वरकों का छिड़काव। **इफको आउटलेट:** नैनो यूरिया, नैनो डीएपी जैव उत्पादों की बिक्री। **खरीद:** समर्थन मूल्य के तहत फसलों की खरीद। **सीएससी, एमपीऑनलाइन**: बिजली बिल भुगतान, बीमा पॉलिसी भुगतान, किसान पंजीकरण, समग्र आईडी, खसरा खतौनी, राजस्व संबंधित सेवाएँ आदि। **प्रस्तावित सेवाएँ:** शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, अमूल आउटलेट, फोटोकॉपी, कीटनाशक, बचत काउंटर।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	ऋण संवितरण में लंबी प्रक्रिया, पैक्स का सीसीबी से कोई प्रत्यक्ष/सीधा संबंध नहीं होना, किसानों के लिए मोबाइल सुविधा का अभाव, जिसके कारण किसानों तक किसी भी जानकारी या योजना को पहुंचने में समय लगता है।
परिणाम/प्रभाव	केसीसी के तहत कवर किए गए कुल किसान: 2658

PACS का सहकारी बाज़ार

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	पानागर पैक्स, ब्लॉक- पानागर, जिला- जबलपुर
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	2023-24 के दौरान लाभ (लेखा परीक्षित): ₹2.05 लाख कुल देयताएं: ₹ 501.46 लाख ऋण एवं अग्रिम: ₹ 48.60 लाख अन्य गतिविधियों से राजस्व (2023-24): • पीडीएस: ₹1.69 लाख • खरीद: ₹ 5.17 लाख • सहकारी बाज़ार: ₹2.32 लाख
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	**सहकारी बाजार' - किराए पर दुकानें** यह पैक्स सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) सेवाएं प्रदान करता है और अपने सदस्यों को किराए पर दुकानें उपलब्ध करवाता है। पैक्स की दुकानों में से एक पीडीएस दुकान के 4200 लाभार्थी हैं और जो इस जिले की सबसे बड़ी दुकानों में से एक है। पैक्स ने अपनी भूमि पर 30 दुकानें विकसित की हैं। उचित किराए पर पैक्स इन दुकानों को अपने सदस्यों को प्रदान करता है ताकि उन्हें ऋण सुविधा से आगे बढ़कर अन्य सेवाएँ (क्रेडिट प्लस) भी दी जा सकें। यह व्यवसाय अपने संसाधनों के इष्टतम उपयोग से पैक्स की आय में वृद्धि का महत्वपूर्ण कारक बन गया है। वर्तमान में ये दुकानें औसतन ₹1500/- प्रति माह के मासिक किराए पर प्रदान की जा रही हैं।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	बाजार में दुकानों के किराए की बढ़ती दरें पैक्स की वृद्धि दर के अनुरूप नहीं हैं। पैक्स अब खाली दुकानों के लिए नीलामी प्रक्रिया शुरू करने की योजना बना रहा है ताकि आय में सुधार हो सके, हालांकि, किराए की दरें अभी भी बाजार की प्रचलित दरों से थोड़ी कम रखी जाएंगी ताकि सदस्यों को सेवाएं प्रदान की जा सकें।
परिणाम/प्रभाव	पैक्स सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) सेवाएं प्रदान करता है और अपने सदस्यों को किराए पर दुकानें उपलब्ध करवाता है। पैक्स की दुकानों में से एक पीडीएस दुकान के 4200 लाभार्थी हैं और जो इस जिले की सबसे बड़ी दुकानों में से एक है।

PACS के सेवा केंद्र का साथ हर सुविधा आपके हाथ

<table>
<tr><td>पैक्स का संक्षिप्त विवरण</td><td>पैक्स माचलपुर, जिला- राजगढ़</td></tr>
<tr><td>पैक्स का वित्तीय परिदृश्य</td><td>
<table>
<tr><td>लाभ</td><td>₹9. 36 लाख</td></tr>
<tr><td>उधारियाँ</td><td>₹253.90 लाख</td></tr>
<tr><td>कुल जमा राशि</td><td>₹58.88 लाख</td></tr>
</table>
अन्य गतिविधियों से प्राप्त राजस्व:
• सार्वजनिक वितरण प्रणाली: ₹3.74 लाख (वित्त वर्ष 2023-24 में)
• खरीद: ₹98.83 लाख (वित्त वर्ष 2023-24 में)
• धरमकांटा मशीन (वजन करने वाली मशीन) – मई 2022 में शुरू हुई जिससे ₹30,000/- का मासिक लाभ हुआ। कुल बिक्री ₹8.70 लाख है।
</td></tr>
<tr><td></td><td>किफ़ायती दरों पर कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) की 300 प्रकार की सेवाओं की उपलब्धता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली आउटलेट, धरमकाँटा मशीन (वजन करने वाली मशीन) और 500 मीट्रिक टन की भंडारण क्षमता।

सीएससी सेवाओं की सूची किसानों और गांव के स्थानीय लोगों के साथ साझा की गई है। सीएससी के खुलने के एक माह के भीतर यह ₹35,000/- का लाभ अर्जित कर रहा है। सीएससी के केंद्र पर प्रतिदिन लगभग 30-50 लोग आते हैं।

धरमकाँटा मशीन: यह माचलपुर में मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन भंडारगृह के पास मुख्य सड़क पर स्थित है। तहसील स्तर पर खाद्यान्न की खरीद के लिए महत्वपूर्ण सेवा प्रदान कर रही है।</td></tr>
<tr><td>पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ</td><td>कॉमन सर्विस सेंटर और धर्मकांटा मशीन (वजन करने वाली मशीन) जैसी सेवाओं के संबंध में सार्वजनिक जागरूकता की कमी।</td></tr>
<tr><td>परिणाम/प्रभाव</td><td>ग्राहकों द्वारा किफ़ायती दरों पर धर्मकांटा मशीन का उपयोग किया जा रहा है जिससे किसानों के धन की बचत हो रही है। समिति की धरमकाँटा मशीन से एक ट्रैक्टर/ट्रक के वजन करने की लागत ₹100/- है, जबकि दूसरी जगह से वजन करवाने पर लागत ₹200/- पड़ती है। इसी प्रकार समिति की धरमकाँटा मशीन से टेम्पो/ट्रॉलियों के वजन करने की लागत ₹50/- है, जबकि दूसरी जगह से वजन करवाने पर लागत ₹100/- पड़ती है।</td></tr>
</table>

PACS के जन औषधि केंद्र का नारा स्वस्थ गाँव हमारा

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	गुजरबार्डिया पैक्स, जिला मंदसौर
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	कुल परिसंपत्ति: ₹230.16 लाख ऋण एवं अग्रिम: ₹908.18 लाख कुल देयताएं: ₹103.57 लाख उधारियाँ: ₹1061.57 लाख कुल जमाराशि: ₹188.92 लाख जन औषधि केंद्र – 15 जुलाई 2024 को शुरू हुआ और अब तक इससे ₹ 5000/- का लाभ सृजित हो चुका है। कुल बिक्री ₹22338/- रुपये है।
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	पैक्स के पास कॉमन सर्विस सेंटर, पीडीएस आउटलेट और जन औषधि केंद्र हैं। जन औषधि केंद्र खोलने के एक महीने के भीतर ही यह ₹4000/- का व्यवसाय करने में सक्षम हो गया और ₹1000/- का लाभ भी सृजित हुआ। इस केंद्र पर प्रतिदिन लगभग 10-15 लोग आते हैं। इनके पास कुल 200 प्रकार की जेनेरिक दवाएं उपलब्ध हैं और इन दवाइयों की सूची ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी के साथ भी साझा की गई है ताकि डॉक्टर, विशेष रूप से सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर मरीजों को जेनेरिक दवाएं प्रेसक्राइब करें और स्थानीय लोगों को ये दवाएं किफ़ायती मूल्य पर प्राप्त हो सके।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	शुरुआत में उनके जन औषधि केंद्र पर काफी कम संख्या में लोग आते थे लेकिन जागरूकता अभियानों और प्रचार-प्रचार के साथ लोगों की आवक बढ़ती गई। इसके अलावा मांग-आपूर्ति में अंतर होने की समस्याएँ भी हैं। कुछ दवाएं जिनके लिए उन्होंने ऑर्डर दिया था गत 30 दिनों से उनकी आपूर्ति नहीं हुई है।
परिणाम/प्रभाव	ग्राहकों को सस्ती दरों पर जेनेरिक दवाएं मिल रही हैं जिससे वे स्वास्थ्य सेवा पर होने वाले खर्च को बचा पा रहे हैं। उदाहरण के लिए जन औषधि केंद्र में पैंटोप्राजोल (pantoprazole) के 1 पैकेट की कीमत ₹18/-है, जबकि ब्रांडेड रूप में इसकी कीमत ₹120/- है। इसी प्रकार कीटाणुनाशक की कीमत ₹20/- है, जबकि ब्रांडेड रूप में इसकी कीमत ₹50/- है।

MPonline
मध्यप्रदेश सरकार का पोर्टल
http://www.mponline.gov.in

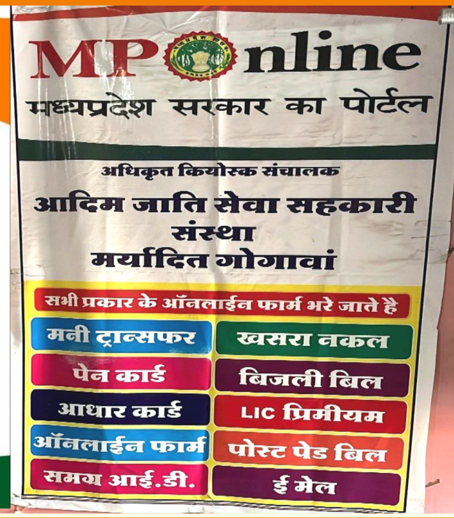

ई- सेवाओं का केंद्र बना PACS

<table>
<tr><td>पैक्स का संक्षिप्त विवरण</td><td>गोगावा पैक्स, शाखा गोगावा, खरगोन</td></tr>
<tr><td>पैक्स का वित्तीय परिदृश्य</td><td>
<table>
<tr><td>ऑडिट वर्गीकरण</td><td>'ए' कैटेगरी</td></tr>
<tr><td>कुल लाभ</td><td>₹183.48 लाख</td></tr>
<tr><td>कुल परिसंपत्ति</td><td>₹80.05 लाख</td></tr>
<tr><td>ऋण एवं अग्रिम</td><td>₹3228.50 लाख</td></tr>
<tr><td>कुल देयताएं</td><td>₹1927.48 लाख</td></tr>
<tr><td>उधारियाँ</td><td>₹1839.66 लाख</td></tr>
<tr><td>कुल जमा राशि</td><td>₹2750.98 लाख</td></tr>
</table>
अन्य गतिविधियों से राजस्व: पीडीएस – ₹1.90 लाख,
उर्वरक- ₹475.62 लाख , सकल एनपीए (%) : 6.43 %</td></tr>
<tr><td>पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल</td><td>नाबार्ड के सहकारी विकास निधि के अंतर्गत सहायता पाकर पैक्स ने अलमारियाँ, टेबल, 8 सीटों वाली टेबल, कुर्सियाँ, सीलिंग फ़ैन आदि क्रय कर अपने आधारभूत संरचनात्मक ढांचे को सुदृढ़ किया। पैक्स ने दिनांक 27.01.2022 को कॉमन सर्विस सेंटर की शुरुआत की।</td></tr>
<tr><td>पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ</td><td>इससे पूर्व पैक्स के पास पुराना और टूटा-फूटा फर्नीचर था जो ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने में बाधा उत्पन्न करता था। पैक्स अपने व्यवसाय में विविधता लाने और अपना ग्राहक आधार बनाए रखने के लिए अवसरों की तलाश कर रहा था। कॉमन सर्विस सेंटर ने पैक्स को ऐसा करने में सक्षम बनाया।</td></tr>
<tr><td>परिणाम/प्रभाव</td><td>इस पहल ने कार्यालय परिसर के फर्नीचर की गुणवत्ता में सुधार किया जिससे पैक्स को नए ग्राहकों को आकर्षित करने का अवसर प्राप्त हुआ और सेवा प्रदान करने के मामले में यह श्रेष्ठ बैंक शाखाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो गया।
कॉमन सर्विस सेंटर में पैक्स ने बी1 खसरा कॉपी, बिजली बिल भुगतान, एलआईसी प्रीमियम आदि की सुविधा प्रदान कर ₹4,77,988/- का ट्रांज़ैक्शन पूर्ण किया।</td></tr>
</table>

खरगोन की जनता का साथी बना PACS

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	भीकनगाँव पैक्स, शाखा भीकनगाँव, खरगोन
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	a) कुल परिसंपत्ति: ₹1319.26 lakh b) **ऋण और अग्रिम** (वर्गिकरण – अल्पावधि/मध्यावधि/दीर्घावधि): अल्पावधि: ₹ 701.22 लाख, मध्यावधि : ₹34.65 लाख c) कुल देयताएं : ₹13.05 लाख d) उधारियाँ: ₹687.66 लाख e) कुल जमाराशि: ₹174.83 लाख f) अन्य गतिविधियों से राजस्व: ▪ खरीद : ₹401100.53 ▪ जन औषधि केंद्र: ₹ 23000 (सभी खर्चों को घटाने के बाद 2.5 महीनों में) g) सकल एनपीए (%) : 6.43 %
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर माननीय सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल जी द्वारा प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का दिनांक 03 अक्टूबर 2024 को उद्घाटन।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समिति (पैक्स) अपने कारोबार के विविधीकरण से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रही थी। शुरुआत में लोगों का आगमन का कम हो रहा था।
परिणाम/प्रभाव	जन औषधि केंद्र बाजार में ऐसे स्थान पर खोला गया है जहां जनता की आवक अधिक होती है। 3 महीनों में पैक्स ने ₹4.60 लाख की दवाइयों का क्रय किया और ₹2.92 लाख की दवाइयाँ बेचीं, जिससे ₹58000/- का कमीशन अर्जित हुआ।

PACS जनता को उपलब्ध करा रहा दुकाने

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	अटारी खेजड़ा, ब्लॉक- ग्यारसपुर, जिला- विदिशा
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	**अन्य** 2023-24 के दौरान अर्जित लाभ: ₹12.42 लाख कुल परिसंपत्ति: ₹1255.19 लाख कुल देयताएं: ₹1246.87 लाख उधारियाँ: ₹2193.07 लाख कुल जमाराशि: ₹286.96 लाख **गतिविधियों से राजस्व: ₹ 19.04 लाख**
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	किराए की दुकानें: पैक्स ने 16 दुकानों का निर्माण करवाकर उन्हें किराये पर दे दिया जिससे प्रति वर्ष औसतन ₹1,50,000/- की अतिरिक्त आय समिति को हो रही है। **किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जारी किया जाना** **पात्र किसानों को पशुपालन KCC जारी किया जाना:** पशुपालक किसानों को प्रति पशु ₹18,000 का पशुपालन केसीसी प्रदान किया जाता है। **किसान समृद्धि केंद्र की स्थापना:** समिति इस केंद्र का परिचालन करती है जो अन्य सेवाओं के साथ-साथ किसानों में उर्वरक वितरण का प्रबंधन भी करती है। **कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में कार्य:** इस पहल के तहत पैक्स ग्रामीण आबादी को आवश्यक कल्याणकारी सेवाएँ, केंद्रीय/राज्य सरकार की सेवाएँ, वित्तीय समावेशन सेवाएँ, कृषि सेवाएँ आदि प्रदान करता है। इनमें बिल भुगतान, ट्रेन टिकट की बुकिंग, आधार अद्यतन आदि शामिल हैं। **पैक्स का कंप्यूटरीकरण:** पैक्स कंप्यूटरीकरण योजना के तहत अटारीखेज्ड्रा पैक्स पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत हो गया है। यह अपने परिचालन को सुव्यवस्थित कर रहा है। **राष्ट्रीय सदस्यताएँ**: यह समिति नेशनल को-ऑपरेटिव ऑर्गेनिक लिमिटेड (NCOL) और नेशनल को-ऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (NCEL) की सदस्य है।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	किराये के व्यवसाय, भंडारगृह परिचालन का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करना तथा विभिन्न बैंकिंग योजनाओं के माध्यम से किसानों के बीच विश्वास में वृद्धि और सहकारिता योजनाओं में बेहतर सहभागिता सुनिश्चित करना।
परिणाम/प्रभाव	पैक्स द्वारा कार्यान्वित की गई विविध गतिविधियों के कारण समिति ने ₹ 135.54 लाख का लाभ अर्जित किया है और आय का अतिरिक्त स्रोत प्रदान करने में सक्षम हुआ है।

PACS के गोदाम से किसान की तरक्की, फसल सुरक्षा पक्की

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	बी-पैक्स रंगवासा, जिला- इंदौर
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	• वर्ष 2023-24 के दौरान लाभ : ₹50.64 लाख • सदस्यों को लाभांश का वितरण (%): 15% • ऑडिट वर्गीकरण: ए वर्ग • कुल परिसंपत्ति : ₹606.30 लाख • ऋण और अग्रिम : ₹503.74 लाख • कुल जमा राशि : ₹1156.25 लाख • अन्य गतिविधियों से प्राप्त राजस्व: सार्वजनिक वितरण प्रणाली – ₹2.75 लाख
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	पैक्स ने एक गोदाम किराए पर दिया है।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	भंडारगृह के निर्माण के लिए पैक्स को अपर्याप्त पूंजी, कमजोर शासन संरचना, उधारकर्ताओं के बीच वित्तीय साक्षरता की कमी आदि के कारण ऋणों की वसूली में अतिरिक्त प्रयास करने पड़े।
परिणाम/प्रभाव	प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समिति (PACS), रंगवासा, इंदौर ग्रामीण कृषि समुदायों का सहयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एक सहकारी समिति के रूप में पैक्स किसानों से प्रत्यक्ष संवाद करती है और उन्हें निम्नलिखित आवश्यक वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है: • कृषि उद्देश्यों के लिए ऋण • सब्सिडाइज्ड दरों पर बीज, उर्वरक और दवाइयां उपलब्ध करवाना • ऋण की वसूली का संग्रहण

PACS की जन औषधि की विश्वसनीयता, गाँव की प्राथमिकता

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	बंदकपुर, पैक्स, दमोह ब्लॉक, जिला दमोह
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	a) वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान लाभ: ₹1.40 लाख b) उधारियाँ: ₹114.10 लाख c) कुल जमा राशि : ₹ 11.53 लाख d) अन्य गतिविधियों से प्राप्त राजस्व : सार्वजनिक वितरण प्रणाली /खरीद/उर्वरक: ₹17.30 लाख
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	पैक्स के पास कॉमन सर्विस सेंटर, सार्वजनिक वितरण प्रणाली आउटलेट और जन औषधि केंद्र हैं। जन औषधि केंद्र बाजार में ऐसे स्थान पर खोला गया है जहां जनता की आवक अधिक होती है। जन औषधि केंद्र के विषय में जागरूकता प्रसारित करने के लिए पैक्स ने पंचायत स्तर पर अभियान चलाए और पैक्स में किसी भी सेवा के लिए आने वाले सभी ग्राहकों को तत्संबंधित पैम्फलेट वितरित किए। जन औषधि केंद्र को बाजार में खोला गया है जहां लोगों की पहुँच अधिक हो। पैक्स के पास कुल 2000 प्रकार की जेनेरिक दवाएं उपलब्ध हैं और इन दवाइयों की सूची ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी के साथ भी साझा की गई है ताकि डॉक्टर, विशेष रूप से सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर मरीजों को जेनेरिक दवाएं प्रेसक्राइब करें और स्थानीय लोगों को ये दवाएं किफ़ायती मूल्य पर प्राप्त हो सके।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	शुरुआत में उनके जन औषधि केंद्र पर काफी कम संख्या में लोग आते थे लेकिन जागरूकता अभियानों और प्रचार-प्रचार के साथ लोगों की आवक बढ़ती गई। इसके अलावा मांग-आपूर्ति में अंतर होने की समस्याएँ भी हैं। कुछ दवाएं जिनके लिए उन्होंने ऑर्डर दिया था, गत 30 दिनों से उनकी आपूर्ति नहीं हुई है।
परिणाम/प्रभाव	ग्राहकों को सस्ती दरों पर जेनेरिक दवाएं मिल रही हैं जिससे वे स्वास्थ्य सेवा पर होने वाले खर्च को बचा पा रहे हैं। उदाहरण के लिए जन औषधि केंद्र में पैंटोप्राजोल (pantoprazole) के 1 पैकेट की कीमत ₹18/-है, जबकि ब्रांडेड रूप में इसकी कीमत ₹120/- है। इसी प्रकार कीटाणुनाशक की कीमत ₹20/- है, जबकि ब्रांडेड रूप में इसकी कीमत ₹50/- है।

PACS के गोदाम की सुविधा फसल सुरक्षा की प्रतिज्ञा

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	दिग्ठान पैक्स, जिला- धार
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	a) 31 मार्च 2024 तक संचयी लाभ: ₹212.52 लाख b) ऑडिट वर्गीकरण: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए "बी" c) कुल परिसंपत्ति: ₹2164.87 लाख d) ऋण एवं अग्रिम : • अल्पावधि: ₹1345.86 लाख • दीर्घावधि: ₹2.85 लाख e) उधारियाँ: ₹765.58 लाख f) कुल जमा राशि : ₹255.78 लाख g) सार्वजनिक वितरण प्रणाली कमीशन से प्राप्त राजस्व: ₹7.79 लाख (2023-24) h) सकल एनपीए (%): 5.95%
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	• जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, धार की दिग्ठान शाखा इस पैक्स की किरायेदार है और जिससे समिति को किराए के माध्यम से वार्षिक रूप में ₹1.20 लाख की आय होती है। • पैक्स के दिग्ठान और उतावड़ में भंडारगृह हैं जो उर्वरक भंडारण के लिए उपयोग किए जाते हैं। • पैक्स एक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी)का संचालन करता है और उसकी योजना है कि तेल कंपनियों द्वारा विज्ञापन जारी होने पर गैस एजेंसी के लिए आवेदन करेगा। • खाली स्थान की उपलब्धता के साथ समिति का अपना स्वयं का परिसर है जिसमें किराना स्टोर की स्थापना का प्रस्ताव है।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	• पैक्स के 3737 सदस्य हैं और यह सदस्यता के मामले में जिले के सबसे बड़े पैक्सों में से एक है। इसलिए ऋणों की वसूली में अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता है।
परिणाम/प्रभाव	ऋणों की वसूली के लिए किए गए सकारात्मक प्रयासों के कारण पैक्स ने संचयी लाभ अर्जित किया है, जो प्रस्तावित बहु-सेवा गतिविधियों की स्थापना में मदद करेगा।

PACS के जन औषधि केंद्र की पहचान सस्ती दवा का सम्मान

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	पोलायकलाँ पैक्स, ब्लॉक-पोलायकलाँ, जिला – शाजापुर
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान लाभ: ₹ 2.43 लाख उधारियाँ: ₹ 1071.09 लाख कुल जमा राशि : ₹ 730.59 लाख अन्य गतिविधियों से प्राप्त राजस्व: सार्वजनिक वितरण प्रणाली: Rs 0.99 लाख (वित्त वर्ष 2023-24 में) गेहूं खरीद: ₹ 712.68 लाख (वित्त वर्ष 2023-24 में) 2931 सदस्यों की सदस्यता के साथ पोलायकलाँ पैक्स एक वृहद पैक्स है जिसके 2325 सक्रिय सदस्य हैं।
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	जन औषधि केंद्र के विषय में जागरूकता प्रसारित करने के लिए पैक्स ने पंचायत स्तर पर अभियान चलाए और पैक्स में किसी भी सेवा के लिए आने वाले सभी ग्राहकों को तत्संबंधित पैम्फलेट वितरित किए। जन औषधि केंद्र को बाजार में खोला गया है जहां लोगों की पहुँच अधिक हो। एक माह के भीतर यह इस पैक्स ने ₹35852/- का व्यवसाय करने में सफलता प्राप्त की और ₹1688/- का लाभ अर्जित किया। दुकान पर रोजाना करीब 15-30 लोग आते हैं।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	शुरुआत में उनके जन औषधि केंद्र पर काफी कम संख्या में लोग आते थे लेकिन जागरूकता अभियानों और प्रचार-प्रचार के साथ लोगों की आवक बढ़ती गई। इसके अलावा मांग-आपूर्ति में अंतर होने की समस्याएँ भी हैं। कुछ दवाएं जिनके लिए उन्होंने ऑर्डर दिया था, गत 30 दिनों से उनकी आपूर्ति नहीं हुई है।
परिणाम/प्रभाव	ग्राहकों को सस्ती दरों पर जेनेरिक दवाएं मिल रही हैं जिससे वे स्वास्थ्य सेवा पर होने वाले खर्च को बचा पा रहे हैं। उदाहरण के लिए जन औषधि केंद्र में पैंटोप्राजोल (pantoprazole) के 1 पैकेट की कीमत ₹18/-है, जबकि ब्रांडेड रूप में इसकी कीमत ₹120/- है। इसी प्रकार कीटाणुनाशक की कीमत ₹20/- है, जबकि ब्रांडेड रूप में इसकी कीमत ₹50/- है।

PACS का CSC का नारा, ई- सेवाओं का केंद्र हमारा

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	आवन पैक्स, ब्लॉक – राघौगढ़, जिला- गुना
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	• वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान लाभ: ₹ 2.8 लाख • उधारियाँ: ₹187.56 लाख • अन्य गतिविधियों से प्राप्त राजस्व ▪ खरीद: ₹2.23 लाख (वित्त वर्ष 2023-24 में) ▪ कॉमन सर्विस सेंटर: ₹ 50,000/- • कवर किए गए गाँव: 14 • सदस्य: 745
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	पैक्स के पास कॉमन सर्विस सेंटर और सार्वजनिक वितरण प्रणाली आउटलेट है। बैंकिंग, बीमा, आधार पंजीकरण के लिए पूर्व में ग्रामीणों को काफी समस्याएँ आती थी। अब यहाँ के निवासियों के लिए स्थानीय स्तर पर पैक्स में ही ये सेवाएँ आसानी से उपलब्ध हैं जिससे ये प्रक्रियाएं काफी सरल हो जाती हैं। पैक्स अब कई अन्य सेवाएँ उपलब्ध करवाने के लिए तत्पर है।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	शुरुआत में कॉमन सर्विस सेंटर में लोग कम संख्या में आते थे किन्तु पैक्स के द्वारा प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता अभियान चलाये जाने के कारण लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है।
परिणाम/प्रभाव	इस पहल के तहत पैक्स अब नागरिकों को कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) योजना के डिजिटल सेवा पोर्टल पर सूचीबद्ध सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान कर सकते हैं, जिसमें कानूनी सेवाएं, कृषि इनपुट और यात्रा से संबंधित सेवाएं शामिल हैं।

PACS के माध्यम से जन औषधि की राह, स्वस्थ गाँव की चाह

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समिति, निपानिया कलाँ, जिला- सिहोर
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	• **उधारियाँ:** ₹826.96 लाख • **कुल जमा राशि :** ₹344.18 लाख • **अन्य सेवाओं से राजस्व:** ▪ **सार्वजनिक वितरण प्रणाली :** ₹1.34 लाख ▪ **खरीद:** ₹2,613.93 लाख ▪ **जन औषधि केन्द्र:** ₹97,560 (कुल व्यवसाय) • **फ़सली ऋण:** ₹1,301.77 लाख • कुल सदस्य: 2,099
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	• पैक्स के पास एक कॉमन सर्विस सेंटर है जो सरकार-से-नागरिक (G2C) तक पहुंचायी जाने वाली ई-सेवाओं की पहुँच के लिए सुगम बिन्दु के रूप में कार्य करते हुए इन सेवाओं को नागरिकों तक पहुंचा रहा है। • वित्तीय साक्षरता और सहकारिता के लाभों विषय में लोगों को जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान। • किफ़ायती दरों पर दवाइयाँ उपलब्ध करवाने के लिए जन औषधि केंद्र का विस्तार और यह केंद्र सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध करवाता है।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	• सदस्यों के बीच जागरूकता की कमी। • लोगों की कम आवक • सदस्यों द्वारा दवा की गुणवत्ता पर विश्वास न किया जाना। • आपूर्ति श्रृंखला में कमियाँ।
परिणाम/प्रभाव	सदस्यों द्वारा अवगत कराई गई चिंताओं को दूर करने और विश्वास को सुदृढ़ बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम और वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण आयोजित किए गए।

PACS का व्यवसाय विस्तार, गाँव की उन्नति का आधार

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	एम-पैक्स मलारा, जिला- मंडला
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	• वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान लाभ: ₹ 5.31 लाख • अन्य गतिविधियों से प्राप्त राजस्व: ▪ फ़्लेक्स प्रिंटिंग: ₹7.90 लाख ▪ सार्वजनिक वितरण प्रणाली: ₹11.55 लाख ▪ खरीद: ₹54.50 लाख ▪ जन औषधि केंद्र: ₹2.15 लाख (वित्त वर्ष 2024-25 में शुरू हुआ) • उधारियाँ: ₹233.24 लाख • कुल जमा राशि : ₹25.10 लाख • कुल केसीसी ऋण (31.03.2024 तक): ₹341.13 लाख • सक्रिय सदस्य: 2329
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	• पैक्स ने वर्ष वित्त वर्ष 2024-25 से कृषि उपकरणों के लिए सावधि ऋण प्रदान करना शुरू कर दिया है। • मलाला पैक्स ने जन औषधि केंद्र की स्थापना की। जन औषधि केंद्र के विषय में जागरूकता प्रसारित करने के लिए पैक्स ने पंचायत स्तर पर अभियान चलाए और पैक्स में किसी भी सेवा के लिए आने वाले सभी ग्राहकों को तत्संबंधित पैम्फलेट वितरित किए। दुकान पर रोजाना करीब 30-50 लोग आते हैं। • पैक्स द्वारा फ़्लेक्स प्रिंटिंग का व्यवसाय भी किया जा रहा है। • पैक्स के पास एक कॉमन सर्विस सेंटर है जो आवश्यक सार्वजनिक उपयोग की सेवाएं, स्वास्थ्य सेवाएँ और सामाजिक कल्याण योजनाओं से संबन्धित सेवा प्रदान करता है
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	शुरुआत में इस जन औषधि केंद्र पर काफी कम संख्या में लोग आते थे लेकिन जागरूकता अभियानों और प्रचार-प्रचार के साथ लोगों की आवक बढ़ती गई। इसके अलावा मांग-आपूर्ति में अंतर होने की समस्याएँ भी हैं। कुछ दवाएं जिनके लिए उन्होंने ऑर्डर दिया था, गत 30 दिनों से उनकी आपूर्ति नहीं हुई है।
परिणाम/प्रभाव	• कई व्यावसायिक परिचालन और कर्मचारियों एवं बैंक के ठोस प्रयासों के साथ एम-पैक्स मलारा ने 2023-24 में धीरे-धीरे अपने संचित नुकसान को शून्य कर लिया है। ग्राहकों को किफ़ायती दरों पर जेनेरिक दवाएं मिल रही हैं और इस तरह वे स्वास्थ्य सेवा पर होने वाले अधिक खर्च को बचा पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना

PACS के द्वार पर जन औषधि का साथ, गुणवत्ता और किफायत हमारे हाथ

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	एम-पैक्स कर्रापुर, ब्लॉक-सागर, जिला- सागर
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	• वित्त वर्ष 2023-24 में कुल केसीसी ऋण – ₹ 62.15 लाख • अन्य गतिविधियों से प्राप्त राजस्व: ▪ उर्वरक की बिक्री: ₹ 70.76 लाख (वित्त वर्ष 2023-24 में) ▪ खरीद: ₹2.35 करोड़ (वित्त वर्ष 2023-24 में) ▪ जन औषधि केंद्र – वित्त वर्ष 2024 में शुरू हुआ और ₹ 7000/- से ₹ 8000/- की मासिक आय सृजित कर रहा है। • सक्रिय सदस्य: 965
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	• पैक्स के पास एक कॉमन सर्विस सेंटर है जो नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ उठाने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जिसमें आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और राशन कार्ड आदि जैसे पहचान से संबन्धित दस्तावेजों के लिए आवेदन करना शामिल है। • किफ़ायती दरों पर दवाइयाँ उपलब्ध करवाने के लिए जन औषधि केंद्र का विस्तार और यह केंद्र सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध करवाता है।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	• सदस्यों के बीच जागरूकता की कमी। • लोगों की कम आवक • सदस्यों द्वारा दवा की गुणवत्ता पर विश्वास न किया जाना। • आपूर्ति श्रृंखला में कमियाँ।
परिणाम/प्रभाव	सदस्यों द्वारा अवगत कराई गई चिंताओं को दूर करने और विश्वास को सुदृढ़ बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम और वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण आयोजित किए गए।

PACS और FPO का संग किसान का सुदृणीकरण

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	सिंघाना पैक्स, जिला- धार
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	• कुल परिसंपत्ति : ₹ 3654.29 लाख • केसीसी ऋण: ₹ 3156.05 लाख • कुल जमा राशि : ₹ 416.34 लाख
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	• पैक्स ने 300 से अधिक सदस्यों को साथ लाकर एक कृषक उत्पादक संगठन (एफ़पीओ) की स्थापना की है। यह एफपीओ सहकारी समिति अधिनियम के तहत पंजीकृत है। एफपीओ की योजना बीज के क्षेत्र में काम करने की है। • पैक्स ने फरवरी 2024 में जन औषधि केंद्र की शुरूआत की है। यह बाजार के मध्य स्थित है। • मासिक बिक्री लगभग ₹7000/- है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के डॉक्टरों से दुकान में उपलब्ध जेनेरिक दवाएं प्रेसक्राइब करने का अनुरोध किया गया है। • पैक्स एक कॉमन सर्विस सेंटर का संचालन करता है।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	सरकारी अस्पतालों और पीएचसी में मुफ्त में दवाओं की उपलब्धता के कारण औषधि केंद्र में बिक्री प्रभावित होती है।
परिणाम/प्रभाव	दो प्रमुख गतिविधियों अर्थात जन औषधि केंद्र की स्थापना और एफपीओ के गठन की शुरुआत के साथ यह पैक्स एक एम-पैक्स बन गया है।

विविधता का संचार PACS का आधार

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	बी-पैक्स पीरा, ग्राम- बमीठा, जिला छतरपुर

पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	• वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान लाभ: ₹14.15 लाख
	• **उधारियाँ:** ₹574.26 लाख
	• **कुल जमा राशि :** ₹44.57 लाख
	• **कुल परिसंपत्ति:** ₹1397 लाख
	• **अन्य सेवाओं से राजस्व:**
	    ▪ **खरीद:** ₹13.62 लाख
	    ▪ **उर्वरक:** ₹1.90 लाख
	• ऋण एवं अग्रिम
	    ▪ अल्पावधि: ₹ 532.52 लाख
	    ▪ मध्यावधि: ₹ 57.15 लाख
	• कुल सदस्य: 326

पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	• कॉमन सर्विस सेंटर-1 • सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान- 7 • गोदाम एवं 6 दुकानें किराए पर • समिति का भवन जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, छतरपुर की शाखा को किराए पर दिया हुआ है। • इसके अतिरिक्त दो अन्य गोदामों को भी किराए पर दिया गया है जिससे समिति के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत बन गया है। • जिला केंद्रीय सहकारी बैंक में समिति का सावधि जमा- ₹1.16 करोड़ • गैस एजेंसी की डीलरशिप के लिए आवेदन किया हुआ है।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	ग्रामीण आबादी के बीच जागरूकता और वित्तीय साक्षरता की कमी।
परिणाम/प्रभाव	पैक्स ने नाबार्ड की वित्तीय साक्षरता से संबंधित पहलों में सक्रिय रूप से सहभागिता की और किसानों को जागरूक एवं सशक्त बनाया ताकि वे गैर-संस्थागत उधारियों जैसे कि निजी स्तर पर और अत्यधिक ब्याज दरों पर उधार देने वाले व्यक्तियों से बच सकें। वित्तीय स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है। परिणामस्वरूप पैक्स के पास कुल 3261 सदस्य हैं जिनमें से 1461 सक्रिय सदस्य हैं।

स्वस्थ धरा, खेत हरा

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	बी-पैक्स सोनकच्छ, जिला- देवास
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	• **उधारियाँ:** ₹ 300.09 लाख • **कुल जमा राशि :** ₹ 45.69 लाख *(बैंक में)* • **कुल सदस्यता एवं सक्रिय सदस्य :** 1,279 • **खरीद से आय:** ₹ 12.03 लाख (वित्त वर्ष 2023-24 में)
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	• पैक्स के अंतर्गत नवम्बर 2024 में एक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) की स्थापना की गई थी। इसके माध्यम से निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैं:- ▪ बिजली बिल भुगतान, ▪ खसरा दस्तावेज़ पुनःप्राप्ति ▪ एमपी ऑनलाइन सेवाएं, आदि। • **मृदा स्वास्थ्य सेवाएं:** यह पैक्स किसानों के लिए जमीनी स्तर पर मृदा परीक्षण सुविधाएं आसानी से उपलब्ध करवा रहा है जिससे किसानों को लंबी दूरी की यात्रा करने से राहत मिली है और इसकी दरें भी काफी किफ़ायती हैं। किसानों को संतुलित और जैविक उर्वरक उपयोग के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है। • पैक्स ने मई 2024 में 300 सदस्यों के साथ एक कृषि उत्पादक संगठन (एफपीओ) का गठन किया है। • **पैक्स कंप्यूटरीकरण:** पैक्स कंप्यूटरीकरण का कार्य प्रगति पर है जिससे किसानों को लेन-देन में आसानी होगी और पारदर्शिता आएगी।
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	1. **कंप्यूटरीकरण में समस्याएँ:** संस्थानों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी। 2. **बिजली/ऊर्जा बैकअप की समस्याएँ:** ग्रामीण क्षेत्रों में अनियमित बिजली आपूर्ति। 3. **आधारभूत संरचना संवर्धन:** पैक्स कार्यालयों को सुदृढीकरण, भवन नवीनीकरण और शौचालयों की कमी।
परिणाम/प्रभाव	• किसान, मजदूर और आम जनता ने संस्था में अपना विश्वास कायम रखा है। • पैक्स के कार्यालय तक पहुँच सुलभ होने के कारण किसान विभिन्न सेवाओं का आसानी से लाभ उठा सकते हैं

PACS का जल संकल्प
हर घर तक पहुंचे जल का स्वप्न

पैक्स का संक्षिप्त विवरण	एम-पैक्स कोद, ब्लॉक-बदनावार, जिला- धार
पैक्स का वित्तीय परिदृश्य	• ऑडिट वर्गीकरण: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए "सी" • कुल परिसंपत्ति: ₹1180.37 लाख • केसीसी ऋण : ₹1021.69 लाख • कुल जमा राशि : ₹7.33 लाख • सकल एनपीए (%): 10.5% • सदस्यता: 1255. ऋण प्राप्त करने वाले सदस्य: 951 • कवर किए गए गाँव: 01
पैक्स द्वारा की गई विशिष्ट पहल	नल जल स्वच्छता समिति, ग्राम पंचायत, कोद और पैक्स, कोद के साथ तीन वर्ष की अवधि के लिए दिनांक 25 जून 2024 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं: ▪ 1050 परिवारों के घरों में जल के लिए नल कनेक्शन हैं। ▪ करई कलई बांध और स्थानीय ट्यूबवेल से पानी की आपूर्ति की जाती है। ▪ नल कनेक्शन की सुविधा प्राप्त करने वाले परिवारों से पैक्स द्वारा प्रति माह ₹70/- का उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह किया जाएगा। ▪ ग्रामीणों से प्राप्त होने वाला पुराना बकाया ₹16,75,940/- हैं। ▪ पुराने बकाये की वसूली के लिए पैक्स को ग्राम पंचायत से निम्नलिखित दरों के अनुसार कमीशन मिलेगा: ▪ 02 वर्षो तक बकाया – 5% ▪ 02-03 वर्षों के बीच बकाया – 10% ▪ 03-05 वर्षों के बीच बकाया – 15% ▪ 05 वर्षों से अधिक का बकाया – 20%
पैक्स के समक्ष आई चुनौतियाँ	• पानी की आपूर्ति में कटौती के लिए पैक्स के अधिकारों की समस्या। • पुराने बकायों की वसूली।
परिणाम/प्रभाव	पैक्स ने 01 जुलाई 2024 से काम शुरू किया और मासिक आधार पर पानी बिल संग्रह के माध्यम से लगभग 5000/- रुपये की वसूली की। पैक्स को लागू दरों के अनुसार शीघ्र ही कमीशन मिलेगा।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
मध्य प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय
ई-5 अरेरा कॉलोनी, बिट्ठन मार्केट, रविशंकर नगर,
भोपाल, मध्य प्रदेश -462016